वार्तालाप-574 कलयमगलनगर, दिनांक 26.05.08
Disc.CD No.574, dated 26.5.08 at Kalaimagalnagar
Extracts-Part-1

समयः 02.16-08.20

जिज्ञासुः बाबा, स्क्रीन में शिवबाबा को देखते हुए वेबसाईट में, भाषण सुनते हुए या अनुवाद भी करते हुए उसको याद में गिनते हैं या नहीं ? याद कह सकते हैं ना?

बाबाः बाप बच्चे को याद करता है। तो उसकी बातें याद आती हैं कि नहीं?

जिज्ञासुः आती हैं।

बाबाः वो याद नहीं है?

जिज्ञासुः याद है।

बाबाः फर्स्ट क्लास याद नहीं है। जैसे आशिक-माशूक होते हैं, जब याद में लवलीन हो जाते हैं तो बस एक-दूसरे का रूप ही याद रहता है। और कुछ याद नहीं रहता। वो गहरी याद है। और बाकी ये जो मनन चिंतन-मंथन की बातें हैं वो भी याद तो हैं - सेकण्ड क्लास याद है।

Time: 02.16-08.20
Student: Baba, when we see Shivbaba on the screen, on the website, while listening to His lecture or while doing translation (of murlis), is it counted in remembrance or not? We can call it remembrance, can't we?
Baba: When a father remembers his child, does he remember his words or not?
Student: He does.
Baba: Is that not remembrance?
Student: It is remembrance.
Baba: It is not the first class remembrance. For example, there are lovers, when they are immersed in remembering [each other]; they remember only the form of each other. They don't remember anything else. That is a deep remembrance. As regards thinking and churning, that is also remembrance. But it is the second class remembrance.

जिज्ञासुः माना पहली श्रेणी में नहीं आती है वो याद।

बाबाः अव्वल नंबर श्रेणी में जो याद है उसमें सिवाए बिन्दु के और कुछ नहीं रह जाएगा। बिन्दु और बिन्दु का आधार। बिन्दु कहाँ बैठा हुआ है? किसीको याद किया जाता है; मान लो बाप बच्चे को याद करेगा, माँ बच्चे को याद करेगी तो कोई स्थान पर तो याद करेगी। लंदन में याद करेगी। बच्चा लंदन में बैठा हुआ है। तो लंदन का स्थान तो याद आवेगा ना। तो स्थान का भी आधार हो गया, दोनों चीज़ें हैं। आधार भी याद आना चाहिए, आधेय भी याद आना चाहिए। हमारी है ही प्रवृत्तिमार्ग की याद। सिर्फ आत्मा नहीं। किसी आत्मा को भी हम याद करते हैं तो पहले आत्मा याद आती है या जिस पांच तत्वों के चोले में आत्मा बैठी हुई है वो चोला पहले याद आता है? पहले चोला याद आता है। भगवान के लिए भी ऐसे ही है। जैसे-जैसे हम निराकारी बनते जावेंगे, वो निराकारी स्टेज जल्दी पकड़ते जावेंगे। परन्तु पहले-पहले तो आधार चाहिए ही चाहिए।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: It means that remembrance is not of the first category.
Baba: In the remembrance of the first category, there will be nothing else except the point (*bindu*). The point and the base (*aadhaar*) of the point. Where is the point sitting? When someone is remembered; suppose, a father remembers his child, a mother remembers her child, she will remember him at some place. She will remember him in London. The child is sitting in London. So, she will remember the place of London, won't she? So, there is a base of the place as well; both the things are [important]. The base (*aadhaar*) as well as the object[1] (*aadhey*) should be remembered. Ours is a remembrance of the path of household. Not just the soul. When we remember some soul as well, does the soul come to our mind first or does the body made up of the five elements, in which the soul is sitting, come to our mind first? First the body comes to our mind. It is a similar case with God. As we go on becoming incorporeal, the sooner we will achieve the incorporeal stage. But first of all the base is definitely required.

दूसरा जिज्ञासुः साकार चोला को तो जरूर याद करना पड़ता है। योग शुरु करने के लिए।
बाबाः शुरू नहीं, अंत तक भी। अगर निराकारी स्टेज में ही स्थिर हो गए। तो फिर विधर्मियों की गति हो जावेगी। प्रवृत्तिमार्ग की प्राप्ति नहीं हो पाएगी। बच्चों को प्राप्ति माँ और बाप दोनों से होती है या सिर्फ माँ से होती है या बाप से होती है? दोनों से होती है। शिव है बाप, आत्माओं का, और वो इस सृष्टि पर आता है तो जिस पहले व्यक्तित्व में आता है वो माता का पहला रूप है ना। वो माता हो गई। ५ तत्वों का आधार लेता हूँ। ५ तत्वों रूपी प्रकृति को आधीन बनाकरके आता हूँ। ५००० वर्ष तक प्रजापिता इस सृष्टि पर कंट्रोल करता है। किसी से दब करके रहता नहीं। लेकिन जब भगवान इस सृष्टि पर आता है तो उस प्रजापिता को दबोच के रखता है या उसके आधीन हो जाता है? उसको आधीन बनाकरके आता है।

Second student: We have to definitely remember the corporeal body in order to start remembrance (of Baba).
Baba: Not just the beginning, but even till the end. If you become constant only in the incorporeal stage, then you will meet the fate of the *vidharmis*[2]. You will not be able to achieve the path of household. Do the children receive attainment from both the mother and father or just from the mother or father?
Second student: From both.
Baba: From both. Shiva is the Father of the souls and when He comes in this world, then the first personality in which He comes is the first form of the mother, isn't he? She is the mother. I take the support of the five elements. I come by taking the nature in the form of the five elements under My control. Prajapita controls this world for 5000 years. He is not dominated by anyone. But when God comes in this world, does He keep that Prajapita under Him or does He become his subordinate (*aadheen*)? He comes by making him His subordinate.

तीसरा जिज्ञासुः बाबा, माना बाप जिस आधार में आता है, जिस रथ में आता है, उस रथ को कौनसे स्थान पे याद करना है?
बाबाः बाप को कौनसे स्थान पर (याद करना है)? बाप तुम किसको समझते हो? तुमने बाप साकार को समझा है....?

[1] The one which takes the support
[2] Those who belong to a religion opposite to the Father's religion

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

तीसरा जिज्ञासुः साकार में निराकार।

बाबाः तो निराकार हमारे आत्माओं का बाप हुआ ना। और निराकार जो बाप है उसका स्थान कौनसा है? निराकार बाप जिसमें प्रवेश करता है वो ही हमारा स्थान हो गया।

तीसरा जिज्ञासुः बाप ने अभी बोला था ना कोई शरीर को याद कर रहे हैं तो .....

बाबाः बाप है आत्माओं का बाप। हम है आत्मा और हमारी आत्मा का बाप है - आत्मा, शिव, और उसका आधार क्या है? आधार साकार है या सिर्फ आत्मा है?

सबने कहाः साकार है।

बाबाः साकार है। ८४ जन्म साकार बनके रहा है। ये तो सिर्फ १ जन्म में उसको वो आप समान बना लेता है थोड़े समय के लिए, वो भी अंत समय में। या सारा संगमयुग वो आप समान बनके रहता है? (जिज्ञासु-थोड़े समय के लिये।) शिव जो है, शिव का नाम शंकर के साथ मिलाया जाता है वो किस लिए मिलाया जाता है? और कोई देवता का या कोई मनुष्यात्मा का नाम शिव के साथ नहीं मिलाया जाता। क्यों नहीं मिलाया जाता? क्योंकि एक ही आत्मा है जो शिव समान निराकार बन जाती है। निराधार बन जाती है। लेकिन फिर भी एक है भोगी और एक है अभोगी, अभोक्ता।

Third student: Baba, in which place should we remember the base or the chariot in which the Father comes?

Baba: Remember the Father at which place? Whom do you consider as the Father? Have you considered the corporeal one as the Father....?

Third student: The incorporeal one within the corporeal one.

Baba: So, the incorporeal one is the Father of us souls, isn't He? And to which place does the incorporeal Father belong? The one in whom the incorporeal Father enters is our place (of remembering the Father).

Third student: The Father said just now that if someone remembers a body…

Baba: The Father is a Father of the souls. We are souls and the Father of us souls is a soul, Shiva. And who is His base? Is the corporeal one the base or is it just the soul?

Everyone said: It is the corporeal one.

Baba: It is the corporeal one. He has been corporeal for 84 births. It is only for one birth that He makes him equal to Himself for a short period and that too in the end. Or does he remain equal (to Shiva) throughout the Confluence Age? (Student: for a short time.) Why is the name of Shiva prefixed to that of Shankar? The name of no other deity or human being is not combined with that of Shiva. Why isn't it combined? It is because there is only one soul which becomes incorporeal like Shiva. He becomes *niraadhaar* (one who doesn't need to take any support). But still one is a pleasure seeker (*bhogi*) and the other is a non pleasure seeker (*abhogi, abhogi*). …. (to be continued.)

Extracts-Part-2

समयः 08.30-12.35

जिज्ञासुः बाबा, राम और कृष्ण दोनों इकट्ठे रहते हैं, कम्बाइन्ड है। मगर संगमयुग में देखें ....

बाबाः सदैव नहीं इकट्ठे रहते। सदैव इकट्ठे नहीं रहते। संपर्क संसर्ग में आते हैं, लेकिन सदैव इकट्ठे नहीं रहते। हीरो और हीरोईन हैं। अगर सदैव ही इकट्ठे रहें तो स्वर्ग ही बना रहे ना? फिर

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

नर्क क्यों बने? आजकल की दुनिया में रचयिता बाप अलग, उसके स्वभाव-संस्कार अलग और रचना के स्वभाव-संस्कार अलग हो जाते हैं। कितना भेद पड़ गया प्रजापिता और ब्रह्मा के स्वभाव-संस्कारों में। एक दूसरे के पूरे दुश्मन ही हो गए। माया दुश्मन बनाती है। तुम बच्चे बापदादा को अलग-अलग करेंगे वो फिर इकट्ठे हो जावेंगे। जरासिंध जैसी कहानी है।

Time: 08.30-12.35
Student: Baba, Ram and Krishna remain together, they are combined. But if we see in the Confluence Age....
Baba: They do not remain together always. They do not remain together always. They come in contact and connection but they do not remain together always. They are hero and heroine. If they remain together, then it will always be a heaven, will it not? Then why will it become a hell? In today's world, the creator father is different, his nature and *sanskars* are different and the nature and *sanskars* of the creation become different. There is such a difference between the nature and *sanskars* of Prajapita and Brahma. They have completely become enemies of each other. Maya makes them enemies. You children will separate Bap (&) Dada, and they will unite once again. It is a story like that of Jarasindh.

दूसरा जिज्ञासुः बापदादा यानी राम-कृष्ण।
बाबाः हां। बाप माने बाप। आत्माओं का भी बाप और मनुष्य मात्र का भी बाप। और दादा माने जो भी मनुष्य मात्र हैं उनमें बड़ा भाई, बड़ा पत्ता, पहला पत्ता मनुष्य सृष्टि का। माने पहली रचना। रचयिता की लिस्ट नहीं है वो। जो भी रचना हैं उन रचनाओं में पहली रचना है। दादा है। दादा माने बड़ा भाई। डाडे अलग होता है और दादा अलग होता है। डाडे कहा जाता है ग्रैंडफादर को और दादा कहा जाता है ग्रैंडब्रदर को।
तीसरा जिज्ञासुः उसमें जरासिंधी का कहानी क्या है?
बाबाः वो शरीर की बात हो गई। ये आत्माओं की बात है। तुम दोनों आत्माओं को अलग-अलग करेंगे....
तीसरा जिज्ञासुः नहीं, नहीं, जरासिंध की कहानी।
बाबाः जरासिंध शरीर के दो टुकड़े थे। पैदा हुए थे दो अलग-अलग माताओं से। आधे-आधे बच्चे पैदा हुए और वो कोई जरा राक्षसी निकली उसने जंगल में से दोनों लोथड़ों को उठा लिया और एक हाथ में लेकरके जैसे ही खड़ा किया वो जुड़ गए। उनमें आत्मा प्रवेश कर गई। तो वो दिखाते हैं कहानी में ।

Second student: Bapdada means Ram and Krishna.
Baba: Yes. *Baap* means the father. The Father of souls as well as the father of the humanity. And Dada means the elder brother among all the human beings, the big leaf, the first leaf of the human world, i.e. the first creation. He is not in the list of creators. He is the first creation among all the creations. He is *dada. Dada* means the elder brother. *Daadey* is different and *dada* is different. *Daadey* means the grandfather and *dada* means the grandbrother.
Third student: What is the story of Jarasindhi in that?
Baba: That is about the body. This is about the souls. You will separate both the souls...
Third student: No, no, the story of Jarasindh.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Jarasindh was [made up of] two halves of a body. They were born from two different mothers. They were born as half children and a demoness named Jaraa picked up both the masses from a jungle and as soon as she held them in one hand, they joined. A soul entered in them. So, they show this in the story.

चौथा जिज्ञासुः दोनों में एक ही आत्मा प्रवेश की होगी ना?
बाबाः हाँ, दोनों अलग-अलग हैं तो आत्मा कार्य नहीं कर रही है। जैसे ही उनको मिलाया तो आत्मा कार्य कर रही है।
तीसरा जिज्ञासुः तो राम और कृष्ण...
बाबाः नहीं, नहीं, नहीं, नहीं। वो तो शरीर की बात हो गई। यहाँ तो आत्मा की बात है। मिसाल दिया। ये दो आत्माएं हैं सृष्टि रूपी रंगमंच पर। हीरो और हीरोईन के रूप में पार्ट बजाने वाली। बाप और दादा। बच्चे बार-बार उनमें भेद पैदा कर देते हैं। यज्ञ के आदि में भी बच्चों ने क्या किया, विधर्मी बच्चों ने? मात-पिता के बीच में भेद पैदा कर दिया। रचयिता और रचना के बीच में भेद पैदा कर दिया। तुम बच्चे बार-बार उनको अलग-अलग कर देते हो, वो बार-बार एक हो जाते हैं।

Fourth student: Only one soul must have entered in both of them, mustn't it?
Baba: Yes, when they are separate (halves of a body), the soul is not working. As soon as they were combined, the soul starts working.
Third student: So, Ram and Krishna...
Baba: No, no, no, no. That is about the body. Here it is about the soul. An example was given that these are two souls on this world stage who play a part in the form of hero and heroine: Bap and Dada. Children create a friction between both of them again and again. Even in the beginning of the *yagya* what did the children, the *vidharmi*[3] children do? They created friction between the mother and the father. They created friction between the creator and the creation. You children separate them again and again; they unite again and again.

समयः 12.40-18.05
जिज्ञासुः जगत माता.....
बाबाः जगत होगा तो जगत माता होगी। जगत नहीं होगा, सिर्फ भारत होगा तो जगतमाता प्रत्यक्ष नहीं होगी।
जिज्ञासुः एटी फोर जन्म में उनका पार्ट क्या होता है?
बाबाः हां, चौरासी जन्म में उसका क्या पार्ट होता है।
जिज्ञासुः क्योंकि लक्ष्मी और नारायण.....

Time: 12.40-18.05
Student: The world mother…
Baba: If there is a world there will be the world mother. If there is no world, if there is just India, then the world mother will not be revealed.
Student: What is her part in the 84 births?
Baba: Yes, what is her part in the 84 births?

[3] Those whose beliefs and practices are opposite to that set by the Father

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: Yes, Lakshmi and Narayan….

बाबाः वो जो जगतमाता का पार्ट है; जगत कहा ही तब जाता है जब इस्लामी, बौद्धी, क्रिश्चियन मिक्स हो जाते हैं। वो इस्लामी, बौद्धी, क्रिश्चियन, सतयुग, त्रेता में मर्ज हो जाते हैं। तो जगदम्बा का पार्ट भी, जो राक्षसी पार्ट है। महाकाली का पार्ट है, काला पार्ट है वो द्वापर के आदि में इमर्ज हो जाती है। सतयुग के आदि में वो कालिमा मर्ज हो जाती है। इसीलिए वो वैज्ञानिक ने बताया है कि - 2012 के बाद पृथ्वी की धुरी चेंज हो जाएगी। स्थूल धुरी चेंज नहीं हो जावेगी। जो चैतन्य आत्मा है पृथ्वी के मानिन्द, पृथ्वी माता, जगतमाता, उसकी बुद्धि रूपी धरणी चेंज हो जावेगी। अभी असुरों का पक्ष ले रही है। सभी माताएं आसुरी बच्चों का पक्ष ले रही हैं अभी। गीता का भगवान ठोकरें खा रहा है। बच्चों को गीता का भगवान बना दिया, पति परमेश्वर बनाए दिया। सारे डायरेक्शन बच्चों के चल रहे हैं। घर में राज्य सारा बच्चों का हो जाता है।

Baba: As regards the part of *Jagatmata* (the world mother); it is called a *jagat* (world) only when the people of Islam, the Buddhists, the Christians mix. In the Golden Age and the Silver Age those people of Islam, the Buddhists, the Christians are merged. So, the part of Jagadamba, the demoniac part, the part of Mahakali, the dark part also merges. It emerges in the beginning of the Copper Age. That darkness merges in the beginning of the Golden Age. This is why that scientist has said: the axis of Earth will change after 2012. The physical axis will not change. The living soul in the form of the Earth, the Mother Earth, *Jagatmata*, her earth like intellect will change. Now she is siding with the demons. All the mothers are now siding with the demoniac children. The God of the Gita is running from pillar to post. Children have been made the God of the Gita. They have been made the God like husband (*pati parmeshwar*). All the directions being followed are of the children. It is the rule of children at home.

दूसरा जिज्ञासुः 2012 के बाद वो परिवर्तन हो जाएगी, इस तरफ आ जाएगी, बाप के तरफ?
बाबाः महाकाली का, महाकाली का ही पार्ट चलता रहेगा या वैष्णो देवी बनेगी? लक्ष्मी महालक्ष्मी बनेगी या सिर्फ लक्ष्मी बनके रहेगी? महालक्ष्मी भी बनेगी। चार ब्रह्मा हैं, पांच ब्रह्मा हैं, तो पांचों ब्रह्मा के स्वभाव-संस्कार मिलकर एक होंगे या नहीं होंगे? होंगे। तो धुरी चेंज हुए बगैर ही हो जायेंगे? जो माता जगतमाता अभी आसुरी बच्चों को सपोर्ट कर रही है वो अंत में क्या होगा? बुद्धि रूपी धरणी की धुरी चेंज हो जाएगी। आसुरी बच्चों को सपोर्ट करना बंद कर देगी। विष्णु क्या करता है? देवताओं को सपोर्ट करता है। तब कहा जाता है ब्रह्मा सो विष्णु।
दूसरा जिज्ञासुः तब तक आसुरी बच्चे और चलते ही रहेंगे।
बाबाः चलते ही रहेंगे। माँ का सपोर्ट मिल रहा है तो क्यों नहीं उछलेंगे?

Second student: She will change after 2012; she will come to this side, to the Father's side.
Baba: Will the part of Mahakali continue or will she become Vaishno Devi? Will Lakshmi become Mahalakshmi or will she remain only Lakshmi? She will become Mahalakshmi as well. There are 4-5 Brahmas; so, will the nature and *sanskars* of all the five Brahmas harmonize become one or not? They will. So, will they become one without the change in axis? What will happen to the mother, the world mother who is now supporting demoniac children? The axis of

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

the Earth like intellect will change. She will stop supporting the demoniac children. What does Vishnu do? He supports the deities. Then it's said Brahma becomes Vishnu.
Second student: Until then the demoniac children will continue to act.
Baba: They will continue to act. Why will they not be encouraged when they are getting support from the mother?

तीसरा जिज्ञासुः बाबा, जगदम्बा दोनों हाथों में झाड़ू लेकरके खड़ी है।
बाबाः प्रकृति। प्रकृति के पांच तत्व होते हैं ना। जैसे रावण के पांच सिर होते हैं। पांच सिरों में मुखिया सिर कौनसा है? काम विकार। तो काम का सिर जैसे मुख्य हो गया। जो बड़ा भाई हो गया। बड़ा भाई किसके समान माना जाता है? बाप समान। ऐसे ही प्रकृति के पांच रूप। उनमें मुख्य रूप कौनसा है? पृथ्वी। तो बड़ी बहन किस समान हो गई? बड़ी अम्मा समान हो गई। बड़ी बहन जो है, वो भी उसका समानता किसके साथ? (किसी ने कहा - माँ से।) हाँ। वो बड़ी माँ हो गई। जगत माँ हो गई। वो दोनों हाथों में झाड़ू लेके खड़ी हुई है। पृथ्वी कहो, जगदम्बा कहो, महाकाली कहो, उसका काम ही है लक्ष्मी के आने से पहले सफाई करना। अनिश्चयबुद्धि बनाना।
जिज्ञासुः बाबा, ये झाड़ू का बेहद का अर्थ क्या है?
बाबाः बेहद का... झाड़ू लगता है तो कीड़े-मकोड़े साफ होते हैं ना। ये इस ज्ञान, ब्राह्मणों की दुनिया में जो अनिश्चयबुद्धि हैं, छोटी-छोटी बातों में अनिश्चयबुद्धि बन पड़ रहे हैं तो झाड़ू हो गये ना। वो झाड़ू लगेगा (तो) निकल के बाहर हो जाएंगे। जो सच्चे साफ दिल हैं वो रहेंगे। झूठे कीड़े मकोड़े नहीं चाहिए नई दुनिया में। सबसे बड़ी चीज़ क्या होती है? सच्चाई-सफाई होती है? कोई और चीज़ होती है? (किसी ने कहा - सच्चाई-सफाई।) धन-संपत्ति बड़ी चीज़े नहीं है। सुंदरता बड़ी चीज़ नहीं है। क्या चीज़ बड़ी चीज़ है? सच्चाई, सफाई बड़ी चीज़ है। ये अंदरूनी सौंदर्य होता है।

Third Student: Baba, Jagdamba is standing with broom in both hands.
Baba: Nature. There are five elements of nature, aren't there? For example, there are five heads of Ravan. Which head is the main one among the five heads? The vice of lust. So, it is as if the head of lust is main. He is like the elder brother. The elder brother is considered equal to whom? Equal to the father. Similarly, there are five forms of nature. Which is the main form among them? The Earth. So, the elder sister is equal to whom? She is equal to the senior mother. With whom is the equivalence of the elder sister? (Someone said: with the mother.) Yes. She is the senior mother. She is the world mother. She is standing with broom in both hands. Call her *Prithvi* (Earth), call her Jagdamba, call her Mahakali, her task itself is to do the cleaning before the arrival of Lakshmi. To make [the children] the ones with a doubtful intellect.
Student: Baba, what is the meaning of the broom (*jhaaru*) in an unlimited sense?
Baba: In an unlimited sense... When the broom is used for cleaning, the insects and spiders are removed, aren't they? When the broom is used, then those who develop doubts on small issues in this knowledge, in the world of Brahmins will come out. Those who are true and have a clean heart will remain. False insects and spiders are not required in the new world. What is the greatest thing? Is it truthfulness and cleanliness or is it anything else? (Someone said: truthfulness and cleanliness.) Wealth and property are not the greatest things. Beauty is not the greatest thing. What is the greatest thing? Truthfulness and cleanliness is the greatest thing. This is the inner beauty. ... (to be continued.)

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Extracts-Part-3

समयः 19.21-21.10

जिज्ञासुः अभी जैसे बाबा, बाबा आकर सभी जगह सेवा करते हैं, तो अष्ट देव भी ऐसे ही आकर चक्कर लगाएंगे तभी चक्रवर्ती (बनेंगे)?

बाबाः जो बाप का पार्ट सो बच्चों का पार्ट। बाप का पार्ट है फादर शोज़ सन्स। तो बच्चों का पार्ट है सन शोज़ फादर। जो बच्चे होंगे वो ही करेंगे नम्बरवार कि दूसरे करेंगे? पहले ये धंधा कौनसे बच्चे करेंगे और कितने करेंगे?

जिज्ञासुः आठ।

बाबाः आठ ही बच्चे होंगे। नष्टोमोहा स्मृतिलब्धा - ये उनकी विशेष निशानी होगी। जबसे ज्ञान में आए होंगे, चाहे बेसिक में, चाहे एडवांस में, उनकी ये निशानी देखने में आवेगी। क्या? कोई देहधारी से नष्टोमोहा। उसको कहते हैं ज्ञान, पहचान। पहचान हुई, खत्म, दुनिया ही खत्म। आप मुए? मर गई दुनिया। तब तक समझो ज्ञान पैदा ही नहीं हुआ।

Time: 19.21-21.20

Student: Baba, for example, now Baba goes everywhere and does service, so, will the eight deities also tour around (*chakkar lagayenge*) to become *chakravarti* (an emperor who defeats other kings to expand his empire)?

Baba: Whatever is the Father's part is the children's part. The Father's part is: Father shows sons. So, the children's part is: son shows father. Will those who are the children do that number wise (according to their capacity) or will others do it? Which children will do this occupation first and how many will do it?

Student: Eight.

Baba: Only eight children [will do it]. *Nashtomoha smritilabdha*[4] – this will be their special indication. Ever since they would have entered the path of knowledge, whether it is in the basic or in the advance, this indication will be visible in them. What? Their attitude towards all bodily beings will be of *nashtomoha*. That is called knowledge, recognition. Once they recognize [the Father], everything ends, the world itself ends. What happens when you die? The world is dead for you. Until then you can think that the knowledge has not emerged [in you] at all.

जिज्ञासुः जब तक दुनिया का वैराग नहीं आया तो श्रीमत पर भी नहीं चलेंगे ना।

बाबाः दुनिया से वैराग नहीं आया तो एक बाप दूसरा न कोई कहाँ हो गया? बाप ही बाप दिखाई दे। बाप ही दुनिया है।

जिज्ञासुः बुद्धि में तो रहता है फिर.....

[4] The one who has conquered attachment and has regained the awareness of the self and the Father

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः बुद्धि में रहता है, और बुद्धि में आकर्षण होता है इसका मतलब लगातार याद टिक नहीं सकेगी। आखरीन ऐसी स्टेज आवेगी या नहीं आवेगी जो लगातार याद टिक सके बुद्धि में? नहीं आवेगी?

जिज्ञासुः आएगी।

बाबाः आएगी।

Student: Unless there is detachment from the world, someone will not follow the *shrimat* either, will they?
Baba: When there is no detachment from the world, how can it be one father and no one else? The Father alone should be in your eyes. The Father Himself is the world.
Student: It is indeed there in the intellect, then…
Baba: If it (the old world) is in the intellect and there is attraction for it in the intellect, it means that there cannot be continuous remembrance. Finally, will such a stage come or not when your intellect remains continuously in remembrance? Will it not come?
Student: It will come.
Baba: It will come.

समयः 21.30-23.18

जिज्ञासुः बाबा, आजकल क्या होता है संगठन में बहुत लोग नहीं आते हैं। जब बाबा आते हैं तभी मिलते हैं। मगर परिवार को....

बाबाः अब आपस में संगठन मिला रहे हैं या संगठन में आपस में संस्कारों का टकराव हो रहा है?

जिज्ञासुः कभी-कभी हो रहा है।

बाबाः कभी-कभी कहाँ? लगातार टकराव ही हो रहा है। बिखर रहे हैं या जुड़ रहे हैं? एक (शिवबाबा) है, इसलिए जुड़ रहे हैं। जनता पार्टी में एक अटल बिहारी वाजपेयी ही तो दिखाई दे रहा था जो जोड़ने वाला था और बाकी सब? बाकी तो सब तोड़ने वाले, उन कांग्रेसियों से भी ज्यादा खतरनाक, खौफनाक पार्ट बजाने वाले। अभी अंत में ऐसी स्थिति बिल्कुल देखने में आवेगी: कोई किसी का सहयोगी नहीं रहेगा। एक बाप ही बाप चारों तरफ दिखाई देगा। इतनी भी बहुत बड़ी बात समझो कि एक बाबा से तो जुड़े हुए हैं। तो भी समझो नई दुनिया का फाउन्डेशन पड़ा हुआ है।

Time: 21.30-23.18
Student: Baba, nowadays what happens is that many people don't attend the *sangathan*. They come only when Baba comes. But the family….
Baba: Now, is everyone contributing to unity in the *sangathan* or is there a clash of *sanskars* with each other?
Student: It is happening sometimes.
Baba: Not sometimes. There is only a clash continuously. Are they scattering or uniting? There is one (Shivbaba); this is why they are uniting. In the (Bharatiya) Janata Party, Atal Bihari Vajpayee alone was the uniting factor and all the rest of them? All the rest were bringing disunity, they were those who play a more dangerous part than the members of the Congress (party). Now such a stage will be clearly visible in the end: nobody will remain helpers. Only the one Father will be visible everywhere. Even this should be considered a very big thing that they

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

are at least connected with one Baba. Even then consider that the foundation of the new world has been laid.

समयः 23.24-24.28

जिज्ञासुः बाबा, जैसे माँ बच्चे को याद करती है तो लण्डन में याद करती है, बोला ना स्थान। उसी तरह जब हम शिवबाबा को याद करते हैं तो हम कौनसे स्थान पर?

बाबाः फिर वो ही बात। शिवबाबा है आत्मा। वो तो माँ याद करती है देह समझ करके बच्चे को। दुनिया में जो माताएं होती हैं, वो अपन को क्या समझती हैं? आत्मा समझती हैं या देह समझती हैं? अपन को देह समझती और बच्चे को भी क्या समझती है? देह समझती है। तो देह का स्थूल स्थान उन्हें याद आता है। और हम? हम अपन को आत्मा समझते हैं। हमारा बाप भी आत्मा है। तो जो हमारा बाप आत्मा है उसका स्थान कौनसा है? एकव्यापी है या कण-कण व्यापी है? (सबने कहा - एक व्यापी।) वो एक ही याद आना चाहिए। वो एक ही साकार है। दुनिया में सबसे जास्ती अगर कोई साकारी स्टेज वाला है तो कौन है? (किसी ने कहा - ब्रह्मा) ब्रह्मा।

Time: 23.24-24.28

Student: Baba, just as when a mother remembers her child, she remembers him in London. It was said like this about the place. Similarly, when we remember Shivbaba, where should we remember Him?

Baba: Again you are asking the same thing. Shivbaba is a soul. That mother remembers her child considering him to be a body. What do the mothers of the world consider themselves to be? Do they consider themselves to be souls or bodies? They consider themselves to be a body and what does she consider the child as well? She considers him to be a body. So, they remember the physical place of the body. And we? We consider ourselves to be souls. Our Father is also a soul. What is the place (of residence) of our Father, who is a soul? Is He present in one or is He present in every particle? (Everyone said: He is present in one.) So, he alone should be remembered. He alone is the corporeal one. Which person remains in the most corporeal stage in the world? (Someone said: Brahma.) [It is] Brahma ... (to be continued.)

Extracts-Part-4

समयः 24.30-30.55

जिज्ञासुः बाबा, लास्ट में सभी आत्मा शरीर से आइस में जम जाता है?

बाबाः सभी आत्माएं नहीं जम जाती हैं। जो आत्मिक स्थिति में स्थित होने वाले हैं वो आत्माएं (नहीं जमती हैं)।

जिज्ञासुः फिर परमधाम में चली जाती हैं ना आत्मा?

बाबा: हाँ, शरीर जो है वो जड़वत इसी सृष्टि रूपी रंगमंच पर बर्फ के अंदर जाम हो जाएगा और आत्मा माने मन-बुद्धि वो लटक जाएगी ऊपर।

जिज्ञासुः सभी....

बाबाः सभी माने आत्मिक स्थिति में रहने वाले। जो भी साढ़े चार लाख हैं, साढ़े चार लाख चाहे वो जिस धरम के बीज हों आखरीन अंत तक उनको बीज रूप स्टेज में टिकना ही है मर कुट

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

के, पिट- कुट के भी। धर्मराज की सज़ाएं खाकर के भी उनका देहभान का छिलका उतरना ही है। और ऐसा छिलका उतर जावेगा कि उनका शरीर जो है वो बर्फ में दब जावेगा। कोई का तो डेढ़ सौ वर्ष तक बर्फ में दबा रहेगा।

Time: 24.30-30.55
Student: Baba, in the last period are all the souls buried under the ice with their bodies?
Baba: All the souls are not buried. The souls which become constant in the soul conscious stage (are not buried).
Student: Then the soul goes to the Supreme Abode, doesn't it?
Baba: The inert body will be buried under the ice on this very stage like world. And the soul, i.e. the mind and the intellect will be attached above.
Student: All...
Baba: All means those who are in the soul conscious stage. All the four and a half lakh [souls], they may be the seeds of any religion , they certainly have to become constant in the seed-form stage till the end, even if they have to die or get beaten for it. Their peel of body consciousness is bound to be removed even after suffering punishments of Dharmaraj. And the peel will be removed in such a way that their body will be buried in ice. The body of some will be buried under ice even for one hundred and fifty years.

डेढ़ सौ वर्ष तक आत्मा ऊपर ही पड़ी रहेंगी। फिर अपना टाइम उनका आएगा। फिर वो बर्फ वहाँ से हटेगी, वो शरीर को हवा लगेगी, वो शरीर निकलके उसमें आत्मा प्रवेश करेगी और शरीर बाहर आ जायेगा।

दूसरा जिज्ञासुः वो बर्फ में सज़ा भोगनी पड़ेगी।

बाबाः सज़ा काहे की? सज़ा तो तब होती है जब आत्मा अनुभव करे। बर्फ में तो जाम हो गया। मन-बुद्धि भी जाम हो जाती है।

दूसरा जिज्ञासुः नहीं, पहले वो सजा भोगकर फिर दबती है।

बाबाः हाँ, जी। विनाश होगा 2036 तक आखरी विनाश। वहाँ तब जिनको जितनी सज़ायें भोगनी होगी वो भोग लेंगे। दुनिया की बड़े ते बड़ी सज़ाएं भोगने वाले भी यहाँ बीजरूप आत्माओं में हैं। 500 करोड़ वाले इतना सज़ा नहीं भोगेंगे। क्या कहा?

जिज्ञासुः बीज रूप आत्मा।

बाबाः बीज रूप आत्माएं जितनी जास्ती सज़ा भोगती हैं, उतनी सज़ा और दूसरे धर्म की आत्माएँ नहीं भोगेंगी विनाश के काल में। इतने ढ़ीठ हैं ये इनमें। समझाने से भी कोई बात समझते नहीं। जल्दी नहीं बुद्धि में बात बैठती। अपनी हठ पकड़ लेते हैं।

The soul will remain above itself for hundred and fifty years. Then when their time comes, that ice will be cleared from there, that body will come in contact with air, the soul will enter in it and the body will come out.
Second student: They will have to suffer punishments in the ice.
Baba: How is it a punishment? It will be called punishment only when the soul experiences it. It is frozen in ice. The mind and intellect also freezes.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Second student: No, first it suffers punishment and is buried [under ice] after that.
Baba: Yes, the destruction, the final destruction will take place till 2036. Until then whoever has to suffer punishment to whatever extent, will suffer it. The seed-form souls here include even those who suffer the most severe punishments in the world. Those among the 5 billion will not suffer so many punishments. What was said?
Student: The seed-form souls.
Baba: Souls of other religions will not experience as many punishments as the seed form souls experience in the period of destruction. These (seed-form souls) include such obstinate ones. They do not understand anything even on being explained. The topic does not sit in their intellect so easily. They become obstinate.

दूसरा जिज्ञासुः जगदम्बा का पार्ट जब तक पूरा नहीं सुधरेगा तब तक सभी बच्चों का हालत बिगड़ती जाती है ना?

बाबाः एक के पतित बनने से सब पतित बन जाते हैं। एक के पावन बनने से सब पावन बन जाते हैं। तो एक आत्मा के रूप में बोल रहे हैं या देह के रूप में बोल रहे हैं? (जिज्ञासु-आत्मा के रूप में।) तो आत्मा अव्वल नंबर वो एक कौनसी है जिसके ऊपर सब टिके हुए हैं? एक के पतित बनने से सब पतित बन जाते हैं। वो एक कौन है?

दूसरे जिज्ञासुः ब्रह्मा। कृष्ण की आत्मा।

बाबाः एक है दिल। एक है दिल्ली। दिल और दिल्ली एक है कि अलग-अलग हैं?

दूसरा जिज्ञासुः एक ही है।

बाबाः एक ही है?

दूसरा जिज्ञासुः नहीं दिल...

Second student: Until Jagdamba's part reforms completely, the condition of all the children will go on spoiling.
Baba: When one becomes sinful everyone becomes sinful. When one becomes pure, all become pure. So, is He speaking about that one soul or the body? (Student: the soul.) So, who is that number one soul on whom all are based? When one becomes sinful all become sinful. Who is that 'one'?
Second student: Brahma. The soul of Krishna.
Baba: That 'one' is the heart (dil). The other one is Dilli. Is heart (dil) and Delhi (dilli) one and the same or different?
Second student: They are one and the same.
Baba: Are they one and the same?
Second student: No. Dil (heart)....

बाबाः दिल अलग है। दिल से बना है - दिल्ही। दिल्ली अलग है, दिलवाड़ा अलग है। दिल अलग है। घर परिवार होता है तो उसमें बाप होता है और बच्चा होता है, माँ होती है और भाई-बहन होते हैं। पूरे परिवार के बीच में दो पावरफुल कौन कहे जावेंगे?

दूसरा जिज्ञासुः माँ-बाप।

बाबाः माँ-बाप? बाप और बच्चा सबसे जास्ती पावरफुल कहे जाते हैं। अगर न होता ऐसा तो बाप के शरीर छोड़ने के बाद मां को राजाई मिलनी चाहिए। माँ को राजाई, वर्सा नहीं मिलता। क्यों

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

नहीं मिलता? क्योंकि माँ इतनी मोहमयी होती है कि अपनी सारी पावर किसमें उढेल देती है? बच्चों में उढेल देती है।

दूसरा जिज्ञासुः तो बच्चा परिवर्तन होने के बाद ही सभी आत्माओं का परिवर्तन होगा?

बाबाः वास्तव में ये ब्रह्मा तुम्हारी जगदम्बा है। तो वास्तव में जाना है या झूठ मूठ में जाना ? वास्तविकता क्या है? वास्तव में ये ब्रह्मा तुम्हारी जगदम्बा है परंतु तन पुरुष का है। इसलिए कन्याओं माताओं के चार्ज में इनको कैसे रखा जावे? तो ओम राधे सरस्वती को निमित्त बनाए दिया। क्या? टाइटल दे दिया। क्या टाइटल दे दिया?

जिज्ञासुः जगदम्बा।

Baba: *Dil* (heart) is different. The word '*Dilhi'* has evolved from *dil. Dilli* is different; *Dilwara* is different. *Dil* is different. There are families; there is a father and a son in it, there is a mother and brothers and sisters. Who will be said to be the two most powerful ones in the entire family?
Second student: The parents.
Baba: Parents? The father and the son are called the most powerful ones. Had it not been so, the mother should get the kingship after the father leaves body. The mother does not get the kingship, the inheritance. Why doesn't she get? It is because the mother is so attached to her children that in whom does she pour her entire power? She pours it in the children.
Second student: So, all the souls will be transformed only after that child is transformed, won't they?
Baba: Actually, this Brahma is your Jagdamba. So, should you go into reality or in falsehood? What is the reality? Actually this Brahma is your Jagdamba, but the body is male. This is why how can this one be kept in charge of the virgins and mothers? So, Om Radhey Saraswati has been made an instrument. What? A title was given. Which title was given?
Student: Jagdamba.

बाबाः ओम राधे को टाइटल दे दिया सरस्वती जगदम्बा का। वास्तव में ये है कौन ओरिजिनल में? ब्रह्मा बाबा। दादा लेखराज ब्रह्मा। सहनशक्ति का पार्ट किसने बजाया? धरणी का मुख्य काम क्या होता है? मुख्य गुण क्या होता है? सहनशीलता। वो जगदम्बा ने बजाई? नहीं बजाया। जगदम्बा तो ऐसे हैं जैसे डब्बा। उस डब्बे में आत्मा कौनसी है जो जगदम्बा का पार्ट बजाती है? ब्रह्मा की सोल। ये बात और धर्म वालों को समझ में नहीं आवेगी। सूर्यवंशियों को ही समझ में आवेगी।

Baba: Om Radhey was given the title of Saraswati Jagdamba. Actually, who plays this part originally? Brahma Baba, Dada Lekhraj Brahma. Who played the part of tolerance? What is the main task of the earth? What is its main specialty? Tolerance. So, did Jagdamba play that [part]? She did not play it. Jagadamba is like a box. Which is the soul in that box who plays the part of Jagdamba? Brahma's soul. People of other religions will not understand this topic. Only the *Suryavanshis* will understand this. ... (to be continued.)

Extracts-Part-5

समयः 32.20-36.45

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः बाबा, विजयमाला का आवाहन करो कहते हैं ना मुरली में। कैसे? तरीका क्या है?
बाबाः माला कहते हैं संगठन को। माला माने? संगठन। किसी संगठन का आवाहन करना है, तो उसके मुखिया को पकड़ेंगे या साधारण मणके को पकड़ेंगे?
जिज्ञासुः मुखिया को।
बाबाः बस। अगर शहद की मक्खियाँ होती हैं। शहद की मक्खियों के झुण्ड का आवाहन करना है, तो क्या करते हैं? किसको पकड़ते हैं? सारी मक्खियों को एक-एक करके पकड़ते हैं क्या? रानी मक्खी को पकड़ते हैं। और यहाँ कोई हाथ से पकड़ के लाने की तो बात है नहीं कि लिटरेचर भेज देंगे तो पकड़ में आ जाएगी या टेलीग्राम भेज देंगे तो पकड़ में आ जाएगी, ई-मेल भेज देंगे तो पकड़ में आ जावेगी। ये बुद्धियोग से पकड़ी जावेगी या स्थूल पकड़ में आने की बात है? (सबने कहा - बुद्धियोग।) बुद्धियोग की बात है।

Time: 32. 05-36.45
Student: Baba, it is said in the Murli that we should invoke the rosary of victory (*vijaymala*). How? What is the method?
Baba: *Mala* (rosary) means *sangathan* (gathering). What is meant by *mala*? Gathering. If you have to invoke some gathering, will you catch hold of its chief or will you catch hold the ordinary bead?
Student: The chief.
Baba: That is all. There are honeybees. If you wish to invoke a group of honeybees, what do you do? Whom do you catch? Do you catch all the bees one by one? You catch the queen bee. And here it is not about catching her physically that she will be caught if you send literature to her, or she will be caught by sending telegram or by sending an email. Will she be caught through the connection of the intellect (*buddhi yog*) or is it about catching her physically? (Everyone said: connection of the intellect.) It is about the connection of the intellect.

उसे कहते हैं योगबल। इसीलिए बोला है; भक्तिमार्ग में भी बोलते हैं। क्या बोलते हैं? भक्तिमार्ग में आवाज़ लगाते हैं। अरे जब चंद्रमा को ग्रहण लगता है तो क्या आवाज़ लगाते हैं नदी के किनारे? दे दान तो छूटे ग्रहण। ग्रहण लगा हुआ है रावण का जगदम्बा को। दस सिरों का ग्रहण लगा हुआ है। अभी तो प्रकृति ने भी माया से हाथ मिलाय लिया है। प्रकृति के पांच तत्व और रावण के पांच सिर, दसों मिलकरके एक हो गए। पूरा ही ग्रहण लग रहा है। इसलिए क्या करना पड़े? दे दान; कौनसा दान? ई-मेल का दान? योग दान। प्रकृति जो है वो जड़ बुद्धि है या चैतन्य बुद्धि है? (किसीने कहा-जड़ बुद्धि।) जो जड़ बुद्धि होता है वो प्यार की बात को पकड़ता है या ज्ञान को पकड़ता है? प्यार की बात को पकड़ेगा। ढाई हज़ार वर्ष के पोल्युशन की दुनिया में प्रकृति कहो, कुदरत कहो, उसको सच्चा प्यार नहीं मिला है, अव्यभिचारी प्यार नहीं मिला है। सबने उसे व्यभिचारी प्यार दिया है। आंतरिक प्यार नहीं मिला है। भूली हुई है। बच्चों को आंतरिक प्यार देना है, स्नेह देना है। वो ऑटोमैटिक परिवर्तन हो जावेंगे।

That is called the power of *yog*. This is why it has been said, it is also said in the path of *bhakti*. What do they say? They raise a voice in the path of *bhakti.* Arey, when the Moon is eclipsed, what do they shout on the river banks? You will be free of the ill-effects of the eclipse if you give donation. Jagdamba has been eclipsed by Ravan. She has been eclipsed by the ten heads.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Now even the nature has joined hands with Maya. The five elements of nature and the five heads of Ravan, all ten of them have become one. There is a total eclipse. This is why what do you have to do? Give donations. Which donation? Is it a donation of email? Donation of *yog* (*yogdaan*). Does nature have an inert intellect or a living intellect? Does someone with an inert intellect grasp the topics of love or of knowledge? He will grasp the topics of love. In the world of pollution spanning 2500 years, nature has not received true love, unadulterated love. Everyone has given her adulterous love. She did not get inner love. She has been misled. Children have to give that inner love, affection [to her]. She will change automatically.

ज्ञान तुम सुनाना चाहो; क्या? महाकाली के मन्दिर में जाकरके कोई पंडे पुजारियों को ज्ञान सुनाए तो ज्ञान सुनेंगे? वो और ही तुमको ज्ञान सुना देंगे। और जगदम्बा को जाके ज्ञान सुनाना चाहो तो तुम्हारा ज्ञान सुनेगी? वो दीदी-दादियों को , दादाओं को अच्छे तरीके से ज्ञान सुना देगी। उससे ज्यादा लंबी जीभ किसी की है? ज्ञान सुनाने के लिए उससे ज्यादा लंबी जीभ किसी की है?

जिज्ञासुः नहीं है।

बाबाः जगदम्बा से ज्यादा लंबी जीभ तो किसी की है ही नहीं। शंकरजी महाराज भी डरते हैं। जब वो जीभ लपलपाके निकलती है तो शंकरजी क्या कर लेते हैं? आराम से लेट जाते हैं, भई चुपचाप रहो। हमारा काम तो हो रहा है। फंस गए।

If you wish to narrate knowledge to her; what? If someone goes to the temple of Mahakali and narrates knowledge to the pundits and priests, will they listen to it? They will in turn narrate knowledge to you☺. And if you wish to narrate knowledge to Jagdamba, will she listen to your knowledge? She will narrate knowledge to the Didis-Dadis, to the Dadas nicely. Does anyone have a longer tongue than her? Does anyone have a tongue longer than her to narrate knowledge?
Student: No.
Baba: Nobody has a longer tongue than Jagadamba. Even *Shankarji Maharaj* fears her☺. When she comes taking her tongue out, what does Shankarji do? He lies down comfortably. "Brother, be quiet. My task is being accomplished"☺. He has been trapped!

समय: 41.55-47.00

जिज्ञासु: बाबा वैसे तो कर्नाटका और आन्ध्रा में भी हिन्दी नहीं जानते हैं।

बाबा: आप अपन को कर्नाटका का बिल्कुल नहीं समझना। सूर्यवंशी माना कर्नाटका का नहीं। देह जो होती है वो कर्नाटका की, चेन्नई की या मलियालम की हो सकती है। आत्मा? आत्मा कोई एक देश विशेष की नहीं होती है।

जिज्ञासु: नहीं वहाँ तो मिनी मधुबन एक, दो, तीन करके खुल रहे हैं।

बाबा: कहाँ?

जिज्ञासु: आन्ध्रा में, कर्नाटका में।

Time: 41.55-47.00
Student: Baba, as such those from Karnataka and Andhra [Pradesh][5] also don't know Hindi.

[5] Two states of India

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Don't consider yourself to belong to Karnataka at all. The *Suryavanshis* don't belong to Karnataka. The body can be of Karnataka, Chennai or Malyayam. What about the soul? The soul does not belong to some particular country.
Student: Baba mini-madhubans are been opened over there one by one.
Baba: Where?
Student: In Andhra and Karnataka.

बाबा: कोई बात नहीं। वो अन्धरे हैं तो अन्धरों के ऊपर रहम करो। जगदम्बा तो सब कुछ जानने वाली है या अन्धरी है?
जिज्ञासु: जानने वाली है।
बाबा: जो जान बुझ के उल्टा काम करें उसके लिए क्या कहा जाए? सारा ज्ञान भरा हुआ है ब्रह्माकुमारियों में एडवांस का, सारा लिट्रेचर उनके पास पहूँचाया गया है। किनके पास? जो भी एडवान्स ज्ञान में लिट्रेचर, ज्ञान की नई-2 बातें निकली... वो पहले बाबा ने मुरली में डायरेक्शन दिया। पहले कहा पहूँचाओ? हेड ऑफिस पहूँचाओ। वहाँ पहले से ही पहूँचा हुआ है। सब कुछ जानती है। वो है ब्रह्माकुमारियाँ, वो है ब्रह्माकुमारियों की अम्मा। ऐसे नहीं है कि ये जानते नहीं है। जान बूझ करके अंजान बनना, इसको कहते हैं फिर अन्धे की औलाध अन्धे।

Baba: Never mind. They are blind (*andhre*), so have mercy on the blind ones☺. Is Jagadamba the one who knows everything or is she blind?
Student: She is the one who knows.
Baba: If someone performs opposite deeds purposely, what will be said for them? The entire advance knowledge is contained in [the intellect of] the Brahmakumaris. All the literature has been sent to them. To whom? All the literature of the advance party, all the new points of knowledge that emerged… Baba gave a direction in the murlis. Where should you send it first? First you should send it to the head office. It has already reached there. They know everything. They are the Brahmakumaris and she (Jagadamba) is their mother. It is not that they don't know [the knowledge]. Those who act to be ignorant purposely are called the blind children of the blind one.

तो हम भूल ये कभी न करें कि हम तमिलियन है। तमिलियन देह होती है, आत्मा तमिलियन नहीं होती। क्या? ये पक्का है कि हमारी आत्मा ने तमिलनाडू में ही जन्म लिया है जन्म जन्मांतर? अगर ऐसा होता तो एडवांस ज्ञान क्यों लेते? एडवांस ज्ञान की गहराइयाँ हमारी आत्मा में कैसे भरती? औरों की तो बुद्धि में नहीं भर रही है। इससे क्या साबित होता है? हमारी आत्मा तमिलियन है या उत्तर भारत की है? हमने ज्यादा जन्म उत्तर भारत में लिए हैं।

So, we should never make this mistake: "We are the residents of Tamilnadu". The body belongs to Tamilnadu. The soul is not a resident of Tamilnadu. Is this certain: "Our soul is born only in Tamilnadu births after births?" Had it been so, why would you take the advance knowledge? Why did the depths of the advance knowledge sit in our intellect? It is not sitting in the intellect of others. What does this prove? Does our soul belong to Tamilnadu or to north India? We have had more births in north India.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

और मधुबन क्या है? बाबा ने तो कहा है अपनी गीता पाठशाला को मधुबन का नक्शा बनाओ। तो बना हुआ है। मधुबन में क्या होता है? एक संगठन ही तो हो जाता है। मधुबन जितने भी खुले हुए है उनसे ज्यादा सेवा गीता पाठशालाओं में हो रही है या मधुबन में ज्यादा सेवा हो रही है? गीता पाठशालाओं से सेवा हो-2 करके भट्ठी करने जा रहे हैं ढ़ेर। जो मधुबन में बैठ के रहने वाली हैं वो तो महारानियाँ बन करके बैठ गईं। वो तो ब्रह्माकुमारियों की भी अम्मा है। बहुत सी तो ऐसी है कि जिज्ञासु अगर कोई अच्छा आ जायें पढ़ा-लिखा, समझदार तो इंचार्ज बहन के कहने के बावजुद भी कोर्स कराने के लिए बाहर नहीं आती। इतना देहअभिमान का अम्बार चढ़ा हुआ है। बाबा ने तो पहले ही बता दिया- अन्दर वाले रह जावेंगे और बाहर वाले ले जावेंगे।

And what is the big deal about madhuban? Baba has said: make your *gitapathshala* a map of the madhuban. So, it has been made [here]. What happens in the madhubans? There is a gathering, isn't there? Is more service being done in the *gitapathshalas* than the madhubans that have been opened or is more service being done in the madhubans? Many people who have been served through the *gitapathshalas* are going to do the *bhatti*. Those in the madhubans are sitting like queens. They are the mothers of even the Brahmakumaris. Many are such that if some student who is good, educated and intelligent comes [to obtain knowledge], then they (those in the madhubans) won't come out to give the course even on being told by the in charge. They are so body conscious. Baba has already said: those who stay inside will remain as they are and the outsiders will take away [the inheritance].

ऐसे नहीं कि अन्दर वाले सारे ही रह जावेंगे। अन्दर वालों में भी अच्छे से अच्छे, सच्चे से सच्चे हैं। सरेंडर होने वालों में भी... जो सरेंडर होते हैं वो ही तो राज घराने में आवेंगे। ऐसे भी नहीं है कि जो बाहर रहते हैं वो सरेंडर बुद्धि नहीं है। क्या? ऐसा है? बाहर रहने वाले भी सरेंडर बुद्धि हो सकते हैं। और अंत समय ऐसा आवेगा कि बहुत सारी बान्धेली मातायें निकलेंगी जो अंत में लास्ट सो फास्ट होकरके सरेंडर भी हो जायेंगी और आगे नम्बर ले लेंगी। इसलिए बोला अन्दर वाले रह जावेंगे। जो बड़े लम्बे समय से अन्दर रहे पड़े हैं। और बाहर वाले? बाहर वाले ले जावेंगे। ऐसा यहाँ भी हुआ। बी.के वालों में। क्या हुआ? चालिस-चालिस साल पुराने जो रह रहें हैं, सत्तर-सत्तर साल पुराने जो वहाँ रहे पड़े हैं वो रह गयें। और नये-नये? वो लेते चले जा रहे हैं।

It is not that all those who stay inside will remain as they are. There are also the best ones, the truthful ones among those who stay inside. Also among those who surrender… Those who are surrendered themselves will come in the royal family. It is not like this either that those who stay outside are not surrendered with their intellect. What? Is it so? Those who stay outside can also be surrendered with their intellect. And in the end such a time will come that many *bandheli* mothers (mothers in bondage) will emerge, who will go fast even on coming in the last period, will surrender themselves and will go ahead. That is why it was said: those who stay inside will remain as they are; those who are staying inside since a long time and what about the outsiders? They will take away [the inheritance]. The same thing happened here as well, among the Bks. What happened? Those who are staying [in the Bk centers] for 40 years, for 70 years, remained as they are. And the new ones are continuing to take away [the inheritance]. (Concluded)

……

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info